This booklet contains **16** pages.
इस पुस्तिका में **16** पृष्ठ हैं ।

JP-2-16

PAPER II / प्रश्न-पत्र II
Sanskrit Language Supplement
संस्कृत भाषा परिशिष्ट
PART IV & V / भाग IV & V

Test Booklet Code
परीक्षा पुस्तिका संकेत

P

Test Booklet No.
परीक्षा पुस्तिका संख्या

677005

Do not open this Test Booklet until you are asked to do so.
इस परीक्षा पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए ।
Read carefully the Instructions on the Back Cover (Page 15 & 16) of this Test Booklet.
इस परीक्षा पुस्तिका के पिछले आवरण (पृष्ठ 15 व 16)पर दिए निर्देशों को ध्यान से पढ़ें ।

For instructions in Sanskrit see Page 2 of this Booklet. / संस्कृत में निर्देशों के लिए इस पुस्तिका का पृष्ठ 2 देखें ।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. This booklet is a supplement to the Main Test Booklet for those candidates who wish to answer **EITHER** Part IV (Language I) **OR** Part V (Language II) in **SANSKRIT** language, but **NOT BOTH**.
2. Candidates are required to answer Part I and Part II **or** III from the Main Test Booklet and Parts IV and V from the languages chosen by them.
3. Questions on English and Hindi languages for Part IV and Part V have been given in the Main Test Booklet. Language Supplements can be asked for separately.
4. Use **Blue / Black Ball Point Pen only** for writing particulars on this page / marking responses in the Answer Sheet.
5. The CODE for this Language Booklet is **P**. Make sure that the CODE printed on **Side-2** of the Answer Sheet and on your Main Test Booklet is the same as that on this Language Supplement Booklet. In case of discrepancy, the candidate should immediately report the matter to the Invigilator for replacement of the Language Supplement Test Booklet.
6. This Test Booklet has **two** Parts, IV and V, consisting of **60** Objective Type Questions, each carrying 1 mark :
   Part-IV : Language I - (Sanskrit) (Q. 91 to Q. 120)
   Part-V : Language II - (Sanskrit) (Q. 121 to Q. 150)
7. Part-IV contains 30 questions for Language-I and Part-V contains 30 questions for Language-II. In this Test Booklet, only questions pertaining to Sanskrit language have been given. **In case the language/s you have opted for as Language-I and/or Language-II is a language other than Sanskrit, please ask for a Test Booklet that contains questions on that language. The languages being answered must tally with the languages opted for in your Application Form.**
8. **Candidates are required to attempt questions in Part -V (Language-II) in a language other than the one chosen as Language-I (in Part-IV) from the list of languages.**
9. Rough work should be done only in the space provided in the Test Booklet for the same.
10. The answers are to be recorded on the OMR Answer Sheet only. Mark your responses carefully. No whitener is allowed for changing answers.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. यह पुस्तिका मुख्य परीक्षा पुस्तिका की एक परिशिष्ट है, उन परीक्षार्थियों के लिए जो **या** तो भाग IV (भाषा I) **या** भाग V (भाषा II) **संस्कृत** भाषा में देना चाहते हैं, लेकिन **दोनों नहीं** ।
2. परीक्षार्थी भाग I एवं भाग II **या** III के उत्तर मुख्य परीक्षा पुस्तिका से दें और भाग IV व V के उत्तर उनके द्वारा चुनी भाषाओं से ।
3. अंग्रेज़ी व हिन्दी भाषा पर प्रश्न मुख्य परीक्षा पुस्तिका में भाग IV व भाग V के अन्तर्गत दिए गए हैं । भाषा परिशिष्टों को आप अलग से माँग सकते हैं ।
4. इस पृष्ठ पर विवरण अंकित करने एवं उत्तर पत्र पर निशान लगाने के लिए **केवल नीले/काले बॉल पॉइंट पेन** का प्रयोग करें ।
5. इस भाषा पुस्तिका का **संकेत** है **P** । यह सुनिश्चित कर लें कि इस भाषा परिशिष्ट पुस्तिका का संकेत, उत्तर पत्र के **पृष्ठ-2** एवं मुख्य परीक्षा पुस्तिका पर छपे संकेत से मिलता है । अगर यह भिन्न हो तो परीक्षार्थी दूसरी भाषा परिशिष्ट परीक्षा पुस्तिका लेने के लिए निरीक्षक को तुरन्त अवगत कराएँ ।
6. इस परीक्षा पुस्तिका में **दो** भाग IV और V हैं, जिनमें **60** वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं, जो प्रत्येक 1 अंक का है :
   भाग-IV : भाषा I - (संस्कृत) (प्र. 91 से प्र. 120)
   भाग-V : भाषा II - (संस्कृत) (प्र. 121 से प्र. 150)
7. भाग-IV में भाषा-I के लिए 30 प्रश्न और भाग-V में भाषा-II के लिए 30 प्रश्न दिए गए हैं । इस परीक्षा पुस्तिका में केवल संस्कृत भाषा से संबंधित प्रश्न दिए गए हैं । **यदि भाषा-I और/या भाषा-II में आपके द्वारा चुनी गई भाषा(एँ) संस्कृत के अलावा है तो कृपया उस भाषा वाली परीक्षा पुस्तिका माँग लीजिए । जिन भाषाओं के प्रश्नों के उत्तर आप दे रहे हैं वह आवेदन पत्र में चुनी गई भाषाओं से अवश्य मेल खानी चाहिए ।**
8. **परीक्षार्थी भाग-V (भाषा-II) के लिए, भाषा सूची से ऐसी भाषा चुनें जो उनके द्वारा भाषा I (भाग-IV) में चुनी गई भाषा से भिन्न हो ।**
9. रफ कार्य परीक्षा पुस्तिका में इस प्रयोजन के लिए दी गई खाली जगह पर ही करें ।
10. सभी उत्तर केवल OMR उत्तर पत्र पर ही अंकित करें । अपने उत्तर ध्यानपूर्वक अंकित करें । उत्तर बदलने हेतु श्वेत रंजक का प्रयोग निषिद्ध है ।

SEAL

Name of the Candidate (in Capitals) : ______________________
परीक्षार्थी का नाम (बड़े अक्षरों में) :
Roll Number : in figures ______________________
अनुक्रमांक : (अंकों में)
: in words ______________________
: (शब्दों में)
Centre of Examination (in Capitals) : ______________________
परीक्षा केन्द्र (बड़े अक्षरों में) :
Candidate's Signature : ______________ Invigilator's Signature : ______________
परीक्षार्थी के हस्ताक्षर : निरीक्षक के हस्ताक्षर :
Facsimile signature stamp of
Centre Superintendent ______________________

P **P**

अस्यां पुस्तिकायां 16 पृष्ठानि सन्ति ।

JP-2-16

प्रश्नपत्रम् II

संस्कृत भाषा परिशिष्टम्

भाग: IV एवं V

परीक्षा-पुस्तिका-संकेतकम्

P

यावन्न न कथ्येत तावत् इयं परीक्षा-पुस्तिका न अनावरणीया ।

अस्या: परीक्षा-पुस्तिकाया: पृष्ठावरणयो: (पृष्ठे 15 एवं 16) प्रदत्ता: निर्देशा: ध्यानपूर्वकं पठनीया: ।

परीक्षार्थिभ्यो निर्देशा:

1. इयं पुस्तिका मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकाया: एकं परिशिष्टम् तेभ्य: परीक्षार्थिभ्य: अस्ति ये IV (भाषा I) भागस्य **अथवा** V (भाषा II) भागस्य परीक्षां **संस्कृत** भाषया दातुमिच्छन्ति, **न तु द्वयो: भागयो:** ।
2. परीक्षार्थिभि: भाग I एवं भाग II **अथवा** III उत्तराणि मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकात: देयानि अपि च IV तथा V भागानाम् उत्तराणि तै: चिताभि: भाषाभि: ।
3. आंग्लभाषायां हिन्दीभाषायां च प्रश्ना: मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकायां IV भागे तथा V भागे च प्रदत्ता: । भाषा-परिशिष्टानि भवद्भि: पृथक्तया याचितुं शक्यन्ते ।
4. अस्मिन्पृष्ठे च विवरणम् अङ्कयितुम् उत्तरपत्रे च चिह्नं अङ्कयितुं **केवलं नील/कृष्णवर्णिकाया: बाल पाइन्ट लेखन्या:** प्रयोग: अनुमत: ।
5. अस्या: भाषा पुस्तिकाया: संकेतकं **P** वर्तते । एतच्च निश्चेतव्यं यदस्या: भाषा परिशिष्ट-पुस्तिकाया: संकेतकम् उत्तरपत्रस्य पृष्ठ-2 उपरि प्रकाशितेन संकेतेन साम्यं भजति । एतदपि निश्चेतव्यं यत् मुख्य:-परीक्षा-पुस्तिकासंख्या उत्तरपत्रसंख्या च परस्परं साम्यं भजेते । यदि चात्र किमपि अन्तरमस्ति तदा छात्रेण निरीक्षकमहाभाग: सम्प्रार्थनीय: यत्स द्वितीयाम् भाषा-परिशिष्ट-परीक्षापुस्तिकाम् ददातु ।
6. अस्यां परीक्षापुस्तिकायाम् **द्वौ** भागौ स्त: - IV तथा V, एतेषु **60** वस्तुनिष्ठा: प्रश्ना: सन्ति, प्रत्येकं च एकमङ्कं धारयति :
   भाग: IV : भाषा I – (संस्कृत) *(प्रश्न संख्या 91 त: 120 पर्यन्तम्)*
   भाग: V : भाषा II– (संस्कृत) *(प्रश्न संख्या 121 त: 150 पर्यन्तम्)*
7. IV भाषा I भागे 30 प्रश्ना:, V भाषा II भागे च 30 प्रश्ना: सन्ति । अस्यां च परीक्षापुस्तिकायाम् केवलम् संस्कृत भाषया सम्बद्धा: प्रश्ना: सन्ति । **यदि भाषा I उत वा भाषा II इत्येतयो: भवता संस्कृत-अतिरिक्ते भाषे चिते, तदा तद्भाषासम्बद्धा परीक्षापुस्तिका याचनीया । यस्या: अपि भाषाया: प्रश्नानाम् उत्तराणि भवता प्रदीयन्ते, सा भाषा नूनम् आवेदन पत्रे अभीष्टभाषाभि: सह संवदेत् ।**
8. **परीक्षार्थिभि: भाग: V (भाषा II) कृते, भाषातालिकात: सा भाषा चयनीया या तै: भाषा I (भागे IV) चिताया: अभीष्टभाषात: भिन्ना स्यात् ।**
9. रफ़ कार्यं परीक्षापुस्तिकायाम् एतत्प्रयोजनार्थं निर्धारितस्थाने एव कार्यम् ।
10. सर्वाणि उत्तराणि OMR उत्तरपुस्तिकायामेव अङ्कनीयानि । सावधानमनसा चैतद् अङ्कनीयम् । उत्तरे परिवर्तनार्थं श्वेत-रञ्जकस्य प्रयोगो निषिद्ध: ।

परीक्षार्थिन: नाम : ____________________

अनुक्रमाङ्क: : अङ्केषु : ____________________

: शब्देषु : ____________________

परीक्षाकेन्द्रम् : ____________________

परीक्षार्थिन: हस्ताक्षरम् : ____________________ निरीक्षकस्य हस्ताक्षरम् : ____________________

Facsimile signature stamp of

Centre Superintendent ____________________

परीक्षार्थिनः निम्नलिखित-
भागस्य प्रश्नानाम् उत्तराणि
तदैव दद्युः यदि तैः **भाषा – I**
विकल्पे **संस्कृतं** चितं स्यात् ।

भाग: – IV

भाषा – I

संस्कृतम्

निर्देश: : अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां विकल्पात्मकोत्तरेषु समुचितम् उत्तरं चित्वा लिखत ।

अथ एकदा भगवान् बोधिसत्त्व: बहुजन्मार्जितपुण्यफलै: शिवीनां राजा बभूव । स बाल्यात् एव वृद्धोपसेवी, विनयशील: शास्त्रपारङ्गत: च आसीत् । जनकल्याणकर्मसु रत: असौ पुत्रवत् प्रजा: पालयति स्म । कारुण्य-औदार्यादिसद्गुणोपेत: स: नगरस्य समन्तत: धनधान्यसमृद्धा: दानशाला: अकारयत् । तत्र अर्थिनां समूह: अन्न-पान-वसन-रजत-सुवर्णादिकानि अभीष्टानि वस्तूनि प्राप्य सन्तुष्ट: अभवत् । राज्ञ: दानशीलताम् आकर्ण्य देशान्तरेभ्योऽपि जना: तं देशम् आयान्ति स्म ।

अथ कदाचित् दानशालासु विचरन् स राजा बहुधनलाभेन सन्तुष्टानाम् अर्थिनां विरलसङ्ख्यां विलोक्य अचिन्तयत् 'मम अर्थिन: तु धनलाभमात्रेण सन्तोषं भजन्ते । नूनं ते दानवीरा: सौभाग्यशालिन: यान् याचका: शरीरस्य अङ्गानि अपि याचन्ते ।' एवं राज्ञ: स्वेषु गात्रेष्वपि निरासक्तिं विज्ञाय सकलं ब्रह्माण्डं व्याकुलं सञ्जातम् ।

राज्ञि एवं विचारयति सति तस्य दानशीलतां परीक्षितुं देवाधिपति: शक्र: नेत्रहीनयाचकस्य रूपं धारयित्वा तत्पुरत: अवदत् – हे राजन् ! भवत: दानवीरताम् आकर्ण्य आशान्वित: भवत्समीपम् आगतोऽस्मि । देव ! रवि-शशि-तारा-मण्डलभूषितं जगत् एतत् कथमिव पश्येयं चक्षुर्हीन: । राजा उवाच-भगवन् ! भवन्मनोरथं पूरयित्वा आत्मानम् अनुगृहीतं कर्तुम् इच्छामि । आदिश्यताम्, किं करवाणि ? विप्र: उवाच-यदि भवान् प्रीत:, तदा त्वत्त: एकस्य चक्षुष: दानम् इच्छामि येन मम लोकयात्रा निर्बाधा भवेत् । तत् श्रुत्वा राजा अचिन्तयत्, "लोके चक्षुर्दानं दुष्करमेव । नूनम् ईदृशं दानम् इच्छन् अयं याचक: केनापि प्रेरित: स्यात् । अथवा भवतु नाम । किं बहु चिन्तनेन ।" इति विचार्य राजा अभाषत-भो मित्र ! किमेकेन चक्षुषा, अहं भवते चक्षुर्द्वयमेव प्रयच्छामि इति ।

समुचितम् उत्तरम् चिनुत –

91. विप्र: किम् इच्छति स्म ?

(1) अन्नम्

(2) पानम्

(3) चक्षुर्दानम्

(4) धनम्

92. शक्र: किं परीक्षितुम् इच्छति स्म ?

(1) दानशीलताम्

(2) वृद्धसेवाम्

(3) विनयम्

(4) औदार्यम्

93. क: आत्मानम् अनुगृहीतं कर्त्तुम् इच्छति ?

(1) शिवीनां राजा

(2) रवि:

(3) याचक:

(4) इन्द्र:

94. 'भ्रमन्' इत्यर्थे अनुच्छेदे क: शब्द: प्रयुक्त: ?

(1) विनयशील:

(2) विचारयति सति

(3) इच्छन्

(4) विचरन्

95. 'ल्यप्' प्रत्ययः कस्मिन् पदे प्रयुक्तः ?

(1) बाल्यात्

(2) विज्ञाय

(3) स्यात्

(4) द्वयम्

96. विसर्गसन्धेः उदाहरणम् अस्ति

(1) दुष्करमेव

(2) गात्रेष्वपि

(3) आशान्वितः

(4) चक्षुर्दानम्

97. 'असौ पुत्रवत् प्रजाः पालयति स्म' वाक्ये 'असौ' सर्वनामपदं कस्मै प्रयुक्तम् ?

(1) याचकाय

(2) बोधिसत्त्वाय

(3) शक्राय

(4) जनाय

98. अभीप्सितानि वस्तूनि प्राप्य के सन्तुष्टाः भवन्ति स्म ?

(1) बोधिसत्त्वः

(2) अर्थिनः

(3) राजानः

(4) सर्वे जनाः

99. कस्य दानशीलताम् आकर्ण्य जनाः तं देशम् आयान्ति स्म ?

(1) याचकस्य

(2) इन्द्रस्य

(3) शक्रस्य

(4) बोधिसत्त्वस्य

निर्देशः : अधोलिखितं श्लोकं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां विकल्पात्मकोत्तरेषु समुचितम् उत्तरं चित्वा लिखत ।

नास्ति विद्या-समं चक्षुः,
नास्ति सत्यसमं तपः ।
नास्ति रागसमं दुःखं,
नास्ति त्यागसमं सुखम् ।।१।।
न तथा शीतलसलिलं,
न चन्दनरसो न शीतला छाया ।
प्रह्लादयति च पुरुषं,
यथा मधुरभाषिणी वाणी ।।२।।
अनुद्वेगकरं वाक्यं,
सत्यं प्रियहितं च यत् ।
स्वाध्यायाभ्यसनं चैव,
वाङ्मयं तप उच्यते ।।३।।

समुचितम् उत्तरं चिनुत –

100. 'नास्ति विद्यासमं चक्षुः' इति वाक्यस्य समानार्थकं वाक्यं किम् ?

(1) हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः ।

(2) अपूर्वः कोऽपि कोशोऽयम् ।

(3) सर्वस्य लोचनं शास्त्रम् ।

(4) व्ययतः वृद्धिमायाति ।

101. केन समं तपः न अस्ति ?

(1) सत्येन (2) सुखेन

(3) दुःखेन (4) चन्दनरसेन

102. 'अनुद्वेगकरम्' इति अत्र कस्य विशेषणम् अस्ति ?

(1) प्रियस्य (2) सत्यस्य

(3) वाक्यस्य (4) हितस्य

103. कस्मिन् पदे दीर्घसन्धिः अस्ति ?

(1) नास्ति

(2) चैव

(3) वाङ्मयम्

(4) मधुरभाषिणी

104. 'नञ्' तत्पुरुषसमासस्य उदाहरणं किम् ?

(1) शीतलसलिलम्

(2) अनुद्वेगकरम्

(3) प्रियहितम्

(4) रागसमम्

105. मनुष्यं किं प्रह्लादयति ?

(1) शीतलछाया ।

(2) शीतलसलिलम् ।

(3) चन्दनरसः ।

(4) मधुरवाणी ।

106. वाचन-सन्दर्भे 'सञ्चय-कौशलेन' (Gathering Skill) अभिप्रायः अस्ति –

(1) टिप्पण-स्वीकरणम् (note taking)

(2) विश्लेषणम्

(3) व्याख्यानम्

(4) टिप्पण-निर्माणम् (note-making)

107. भाषण-कौशल-मूल्याङ्कनार्थम् अनिवार्यम् –

(1) सम्भाषणम्

(2) निरन्तरं श्रवणम्

(3) संवाद-लेखनम्

(4) भावानुगुणं पाठ्यवस्तुनः विश्लेषणम् ।

108. गृहकार्यस्य मुख्योद्देशः अस्ति –

(1) छात्राः गृहे नवीनपाठन् पठितुं रुचिं प्रदर्शयेयुः।

(2) अभिभावकाः जानीयुः यत् छात्राः विद्यालये किं किं पठन्ति ।

(3) पाठितपाठान् अधिकृत्य अभ्यासं कुर्युः ।

(4) पठने छात्ररुचि-वर्धनम् ।

109. वाचन-अभ्याससमये कोऽपि छात्रः पाठागतस्य शब्दस्य स्थाने कमपि अन्यं शब्दं वदति । अध्यापकेन किं कर्तव्यम् ?

(1) 'पुनः पठतु' इत्यादेशः शीघ्रमेव दातव्यः ।

(2) 'छात्रः सम्पूर्णम् अंशं पठेत्' इति विचार्य तत्क्षणं किमपि न वक्तव्यम् ।

(3) तत्क्षणमेव शुद्धिः कारणीया ।

(4) श्यामपट्टे शब्दद्वयं लिखित्वा 'छात्रः शुद्धं शब्दं पुनः पठेत्' इति निर्देष्टव्यः ।

110. कोऽपि छात्रः अनुकरणापेक्षया मूलरूपेण रचनात्मकं लेखनं लिखति । इदं किं कथ्यते –

(1) कथालेखनम्

(2) संवादलेखनम्

(3) सृजनात्मकलेखनम्

(4) पत्रलेखनम्

111. अधिगमनान्तर्गत-विभिन्नक्षेत्रेषु किं क्षेत्रम् उच्च-स्तरीय-चिन्तनेन सम्बद्धम् ?

(1) स्मरणात्मकम् ।

(2) अवबोधनात्मकम् ।

(3) मूल्याङ्कनात्मकम् ।

(4) अनुव्यवहारात्मकम् ।

112. साहित्य-शिक्षणे किं सर्वाधिकं महत्त्वपूर्णम् ?

(1) शब्दकोषः ।

(2) पाठस्य सन्दर्भः ।

(3) सम्यक् उच्चारणम् ।

(4) छन्दःज्ञानम् ।

113. शब्दार्थज्ञानार्थं किं समुपयुक्तम् ?

(1) अलङ्काराणां परिचयः ।

(2) वर्ण-विन्यासः ।

(3) कविपरिचयः ।

(4) विविधसन्दर्भेषु शब्दप्रयोगः ।

114. व्याकरण-शिक्षणार्थं किं सर्वाधिकं महत्त्वपूर्णम् ?

(1) नियमानां स्मरणम् ।

(2) विभिन्नसन्दर्भेषु पाठ्यबिन्दूनाम् अभ्यासः ।

(3) स्वच्छ-सुन्दर-लेखः ।

(4) जीवन-कौशलानि ।

115. 'अभिप्रेरक-लेखनं' (Persuasive Writing) निम्नलिखितेषु कुत्र अन्तर्निहितम् अस्ति ?

(1) कार्य-मूल्याङ्कनम्, सम्पादकं प्रति पत्राणि ।

(2) चरितम्, आत्मचरितम्

(3) विश्वकोष:, लेखा:/रेखाचित्राणि

(4) समाचारा:, प्रतिवेदनानि, पाठ्यपुस्तकानि

116. छात्राणां 'बहुविध-ज्ञान-कौशल-विकासार्थं शिक्षकाणां कृते क: मार्ग: उत्तम: ?

(1) पठन-निर्देशनार्थं छात्रेभ्य: केचन प्रश्ना: दातव्या: ।

(2) पाठ-अवबोधनार्थं छात्रा: नूतनशब्दानाम् अर्थान् स्मरेयु: ।

(3) छात्रा: पाठ्यांशम् अधिकृत्य स्वयं नूतन-चिन्तनशील-प्रश्नानां निर्माणार्थं प्रेरयितव्या: ।

(4) छात्राणां कृते अवबोधनात्मक-कार्यार्थम् अवसरा: दातव्या: ।

117. 'शीर्षक-वाक्येन' अभिप्राय: अस्ति

(1) निबन्धस्य मुख्यभाव: ।

(2) काव्यस्य निबन्धस्य वा शीर्षकम् ।

(3) अनुच्छेदस्य प्रमुख: विचार: ।

(4) कस्यापि निबन्धस्य प्रलेखस्य वा उपशीर्षकम्

118. 'छात्रा: शान्तिपूर्णजीवनाय अभिप्रेरिता: भवेयु:, परस्परं मिलित्वा वसेयु: अन्येषां कृते च कार्यं कर्तुं सज्जिता: भवेयु: इति ।' एतै: भावै: सम्बद्धा शिक्षा कथ्यते

(1) दूरस्थशिक्षा ।

(2) शैक्षणिकता ।

(3) व्यावसायिक शिक्षा ।

(4) मूल्यशिक्षा ।

119. पाठ्यवस्तु-निहित-विभिन्नशब्दानां साहाय्येन नूतनानाम् अपरिचितानां शब्दानाम् अर्थज्ञानप्रक्रिया केन कौशलेन सम्बद्धा ?

(1) श्रवणेन (2) भाषणेन

(3) पठनेन (4) लेखनेन

120. 'अवबोधनात्मकं परीक्षणम्' इत्यर्थं किं सर्वाधिकं महत्त्वपूर्णम् ?

(1) पाठस्य शीर्षकम् ।

(2) सन्दर्भस्य ज्ञानम् ।

(3) पाठेषु उपशीर्षकाणि ।

(4) लेखनाभ्यास: ।

परीक्षार्थिनः निम्नलिखित-
भागस्य प्रश्नानाम् उत्तराणि
तदैव दद्युः यदि तैः **भाषा – II**
विकल्पे **संस्कृतं** चितं स्यात् ।

भाग: – V
भाषा – II
संस्कृतम्

निर्देश: : अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां विकल्पात्मकोत्तरेषु समुचितम् उत्तरं चित्वा लिखत ।

संस्कृत भाषा अतीव वैज्ञानिकी । केचन कथयन्ति यत् संस्कृतमेव सङ्गणकस्य कृते सर्वोत्तमा भाषा । अस्या: वाङ्मयं वेदै:, पुराणै:, नीतिशास्त्रै: चिकित्साशास्त्रादिभिश्च समृद्धस्ति । कालिदासादीनां विश्वकवीनां काव्यसौन्दर्यम् अनुपमम् । कौटिल्यरचितम् अर्थशास्त्रं जगति प्रसिद्धमस्ति । गणितशास्त्रे शून्यस्य प्रतिपादनं सर्वप्रथमम् आर्यभट: अकरोत् । चिकित्साशास्त्रे चरकसुश्रुतयो: योगदानं विश्वप्रसिद्धम् । संस्कृते यानि अन्यानि शास्त्राणि विद्यन्ते तेषु वास्तुशास्त्रं, रसायनशास्त्रं, खगोलविज्ञानं, ज्योतिषशास्त्रं, विमानशास्त्रम् इत्यादीनि उल्लेखनीयानि । संस्कृते विद्यमाना: सूक्तय: अभ्युदयाय प्रेरयन्ति, यथा – सत्यमेव जयते, वसुधैव कुटुम्बकम्, विद्ययाऽमृतमश्नुते, योग: कर्मसु कौशलम् इत्यादय: । सर्वभूतेषु आत्मवत् व्यवहारं कर्तुं संस्कृतभाषा सम्यक् शिक्षयति । केचन कथयन्ति यत् संस्कृतग्रन्थेषु मानवजीवनाय विविधा: विषया: समाविष्टा: सन्ति । आम्, ते सत्यं कथयन्ति । महापुरुषाणां मति:, उत्तमजनानां धृति: सामान्यजनानां जीवनपद्धति: च वर्णिता: सन्ति एतेषु ग्रन्थेषु । अत: अस्माभि: संस्कृतम् अवश्यमेव पठनीयम् । तेन मनुष्यस्य समाजस्य च परिष्कार: भवेत् । उक्तञ्च

अमृतं संस्कृतं मित्र !
सरसं सरलं वच: ।
भाषासु महनीयं यद्
ज्ञानविज्ञानपोषकम् ॥

121. आर्यभटस्य योगदानं कस्मिन् शास्त्रे अस्ति ?
(1) समाजशास्त्रे (2) वास्तुशास्त्रे
(3) गणितशास्त्रे (4) चिकित्साशास्त्रे

122. अर्थशास्त्रस्य प्रतिपादक: अस्ति –
(1) चरक: (2) कौटिल्य:
(3) कालिदास: (4) सुश्रुत:

123. अद्यत्वे संस्कृतभाषा कस्य कृते समुपयुक्ता भाषा मन्यते ?
(1) गणितस्य (2) खगोलविज्ञानस्य
(3) विमानशास्त्रस्य (4) सङ्गणकस्य

124. 'कथितम्' इत्यर्थे अत्र किं पदं प्रयुक्तम् ?
(1) उक्तम् (2) प्रसिद्धम्
(3) कथयन्ति (4) उल्लेखनीयानि

125. कस्मिन् पदे सप्तमी विभक्ति: अस्ति ?
(1) ते (2) जगति
(3) विद्यन्ते (4) अश्नुते

126. द्वन्द्वसमासस्य उदाहरणम् अस्ति
(1) विमानशास्त्रम् (2) विश्वप्रसिद्धम्
(3) जीवनपद्धति: (4) चरकसुश्रुतयो:

127. मनुष्यस्य समाजस्य परिष्कार: केन भविष्यति ?
(1) सङ्गणकप्रयोगेण
(2) विज्ञानेन
(3) संस्कृतभाषापठनेन
(4) गणितशास्त्रेण

128. चरकसुश्रुतयो: योगदानं कस्मिन् शास्त्रे अस्ति ?
(1) चिकित्साशास्त्रे (2) सङ्गीतशास्त्रे
(3) काव्यशास्त्रे (4) विमानशास्त्रे

129. कस्मिन् पदे 'अनीयर्' प्रत्यय: प्रयुक्त: ?
(1) इत्यादीनि (2) उल्लेखनीयानि
(3) अन्यानि (4) वैज्ञानिकी

निर्देश : *अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां विकल्पात्मकोत्तरेषु समुचितम् उत्तरं चित्वा लिखत ।*

प्रकृति: मनुष्यस्य उपकारिणी । मनुष्यै: सह तस्या: शाश्वत: सम्बन्ध: । सा विविधरूपेषु अस्मिन् जगति आत्मानं प्रकटयति । पशव: पक्षिण: वनस्पतय: च तस्या: एव अङ्गानि । निराशा: असहाया: जना: तस्या: एव आश्रयं प्राप्नुवन्ति । सा स्वमनोहरेण सौन्दर्येण नीरसं हृदयम् अपि सरसं करोति । सूर्य: चन्द्र: च तस्या: नेत्रे । शस्य-श्यामला एषा भूमि: । विविधा: ओषधय: सकलानि खनिजानि च प्रकृते: एव शोभा । सा तु नित्यम् एव एतै: साधनै: सर्वेषाम् उपकारं करोति, परम् अधन्य: अयं जन: कृतज्ञतां विहाय असाधुसेवितं पन्थानं गच्छति, विविधानि च कष्टानि च अनुभवति । नर: शाश्वतं सुखं वाञ्छति चेत् तर्हि प्रकृते: प्रतिकूलं कदापि न आचरेत् इति ।

130. क: असाधुसेवितं पन्थानं गच्छति ?

(1) मनुष्य:

(2) चन्द्र:

(3) पशु:

(4) वनस्पति:

131. मनुष्य: कस्या: प्रतिकूलं न आचरेत् ?

(1) शोभाया:

(2) निराशाया:

(3) प्रकृते:

(4) कृतज्ञताया:

132. 'खनिजानि' इति पदस्य अत्र विशेषणपदं किम् ?

(1) विविधानि

(2) अङ्गानि

(3) कष्टानि

(4) सकलानि

133. अत्र विधिलिङ्लकारस्य उदाहरणम् अस्ति

(1) कृतज्ञताम् ।

(2) वाञ्छति ।

(3) प्रकटयति ।

(4) आचरेत् ।

134. अत्र कस्मिन् पदे द्वितीया विभक्ति: प्रयुक्ता ?

(1) परम्

(2) नित्यम्

(3) कृतज्ञताम्

(4) शाश्वतम्

135. का आत्मानं विविधरूपेषु प्रकटयति ?

(1) निराशा

(2) प्रकृति:

(3) शोभा

(4) उपकारिणी

136. श्रवणकौशलविकासार्थं क: उत्तम: मार्ग: ?

(1) विद्यालयस्य विभिन्नकार्यक्रमेषु भाषाश्रवणस्य अवसरा: ।

(2) कथितवाक्यानां पुनरावृत्ति: ।

(3) छात्रकथनानां सावधानं श्रवणम् ।

(4) 'ध्यानेन श्रृण्वन्तु' इति छात्रेभ्य: पुन: पुन: निर्देशदानम् ।

137. 'ध्वनि-अभ्यासार्थं' किं करणीयम् ?

(1) ध्वनि-सिद्धान्तानां पाठनम् ।

(2) सन्धि-युक्तपदानाम् अभ्यास: ।

(3) ध्वन्युच्चारण-सम्बद्ध-विभिन्नगतिविधय: ।

(4) साहित्यश्रवणम् ।

138. 'अन्तर्वैयक्तिक-प्रज्ञा'-विकासार्थम् अतीव महत्त्वपूर्णम् अस्ति

(1) काव्यशास्त्रपठनम् ।

(2) अन्यभाषासु लिखितसाहित्यस्य पठनम् ।

(3) परस्परं विचार-विमर्श: ।

(4) नूतनविषयान् अधिकृत्य निबन्धलेखनम् ।

139. कोऽपि अध्यापक: छात्रस्य असमीचीन-प्रतिक्रियाम् अपि उत्साहेन स्वीकरोति । स: अध्यापक:

(1) छात्राणां भावात्मकविकासस्य प्रक्रियां सम्यक्रूपेण अवगच्छति ।

(2) छात्राणां भाषाविकासदृष्ट्या तेभ्य: प्रोत्साहनं यच्छति ।

(3) शिक्षणकौशलम् अनुपालयति ।

(4) संज्ञानात्मकविकासाय प्रयत्नशील: ।

140. यदि कोऽपि छात्र: शारीरिक-मानसिक-इत्यादि-कारणेभ्य: विभिन्न-गतिविधिषु सक्रिय: न भवति तर्हि आवश्यकता अस्ति

(1) उपचारात्मककार्यस्य ।

(2) नूतनप्रकारेण कक्ष्याव्यवस्थापनस्य ।

(3) मानवीय-मूल्य-शिक्षाया: ।

(4) विशिष्ट-शिक्षा-सिद्धान्तानाम् ।

141. आकलनस्य निकष: (Criteria) अस्ति

(1) मूल्याङ्कन-सम्बद्ध-निर्देशा:

(2) प्रश्नानुगुण-अङ्क-वितरणम् ।

(3) छात्र-दक्षता-ज्ञानम् ।

(4) मूल्याङ्कन-उपकरणानि ।

142. समानार्थकं शब्दयुग्मम् अस्ति

(1) कुलम् / कूलम्

(2) वसुधा / वसुंधरा

(3) कति / कियान्

(4) क्रूर: / क्रोध:

143. 'रचनावाद:' (Constructivism) इत्यनेन अभिप्राय: अस्ति यत् छात्रा:

(1) स्वानुभवान् अधिकृत्य तत्त्वानि तथ्यानि च अवगच्छन्ति ज्ञाननिर्माणे च संलग्ना: भवन्ति ।

(2) विभिन्नानि तत्त्वानि निर्दिष्ट-सिद्धान्तानुसारम् अवगच्छन्ति ।

(3) शिक्षक-साहाय्येन विभिन्नमाध्यमै: वा शोधकार्यं कुर्वन्ति ।

(4) स्वानुभवै: शिक्षणसामग्रीं रचयन्ति ।

144. सूचना-सम्बद्ध-विभिन्न-पक्षेषु श्रुत-ध्वनि-शब्द-पद-दृष्ट्या परस्परं विभेदीकरणस्य गतिविधि: केन कौशलेन सम्बद्ध: ?

(1) पठनेन

(2) लेखनेन

(3) श्रवणेन

(4) भाषणेन

145. विषय-केन्द्रित-उपागमे अधिगमानुभवाः (Learning Experiences) सम्बद्धाः भवन्ति

(1) छात्ररुचिभिः ।

(2) पाठ्यक्रमेण ।

(3) अध्यापक-विषय-दक्षतया ।

(4) शैक्षिक-प्रविधिना ।

146. प्रतिभालक्षणानि प्रमुखतया सम्यक् रूपेण प्रकटीक्रियन्ते

(1) बुद्धिपरीक्षणद्वारा (IQ Tests)

(2) भावात्मकपरीक्षणद्वारा (EQ Tests)

(3) अध्यापक-अभिभावक-द्वारा

(4) सञ्चित-विद्यालय-अभिलेख-द्वारा

147. कोऽपि अध्यापकः कक्ष्यायां प्रायः तेषां लेखानां समाचारविज्ञापनानाम् वा उपयोगं करोति येषु अन्तर्राष्ट्रियस्तरे भाविजीवनसंवर्धनार्थं बहुविधभाषाज्ञानस्य महत्त्वं प्रतिपादितम् । एतादृशी सामग्री छात्राणां केन रूपेण साहाय्यं करोति ?

(1) अनेन छात्राः द्विभाषि-समुदायानां लक्षणानि अवगन्तुं समर्थाः भवन्ति ।

(2) छात्राः जनानां स्थानान्तरणस्य कारणानि बोद्धुं समर्थाः भवन्ति ।

(3) 'छात्राः विश्वसमुदाये द्विभाषिकतायाः किं महत्त्वम्' इति अवगच्छन्ति ।

(4) ते 'कुत्र उषित्वा कार्यं करिष्यन्ति' इति अवगच्छन्ति ।

148. 'श्रवण-कौशल-सम्बद्ध-गतिविधि-मूल्याङ्कनार्थं' किम् आवश्यकम् ?

(1) लिखितकार्यस्य अधिकाधिकः अभ्यासः ।

(2) श्रुतसामग्रीम् अधिकृत्य विविधप्रकारकाः प्रश्नाः ।

(3) वर्णविन्यासस्य अभ्यासः ।

(4) स्तरीया वाचनसामग्री ।

149. कस्मिंश्चित् पाठे प्रयुक्तस्य कस्यापि शब्दस्य 'किं मूल्यम्' इत्यनेन अभिप्रायः अस्ति

(1) शब्दस्य 'अप्रत्यक्ष-प्रयोगः' ।

(2) शब्दप्रयोगस्य 'भिन्नानि रूपाणि' ।

(3) शब्दस्य 'शब्दकोशीयः अर्थः' ।

(4) शब्दस्य 'सन्दर्भगत-प्रयोग-सार्थक्यम्' ।

150. भाषा-शिक्षणस्य कः विधिः छात्रान् तया भाषया परस्परम् अन्तः क्रियार्थम् प्रेरयति

(1) व्याकरण-अनुवाद-विधिः ।

(2) अनुवादविधिः

(3) सम्प्रेषणात्मकविधिः

(4) अनौपचारिकविधिः

SPACE FOR ROUGH WORK

अवधानपूर्वकम् एते निर्देशा : मनसि धारणीया :

1. प्रत्येकं प्रश्नार्थं चत्वारि वैकल्पिकोत्तराणि निर्दिष्टानि, तेषु संमुचितोत्तरप्रदानार्थं OMR उत्तरपुस्तिकाया: पृष्ठे-2 केवलम् एकमेव वृत्तं पूर्णरूपेण नील/कृष्णवर्णिकया बाल पाइन्ट लेखन्या प्रपूरणीयम् । एकवारम् उत्तरांकनान्तरं न तत्परिवर्तयितुं शक्यते ।

2. परीक्षार्थिभि: उत्तरपत्रं नैव तिर्यक्करणीयम्, न च कथंकारमपि तद् अन्यथाप्रकारेण अङ्कनीयम् । परीक्षार्थी स्वीयानुक्रमाङ्कं उत्तरपत्रे निर्धारितस्थानातिरिक्तम् अन्यत्र कुत्रापि न लिखेत् ।

3. परीक्षापुस्तिकाया: उत्तरपत्रकस्य च प्रयोग: सावधानं करणीय: । कस्यामपि परिस्थितौ (केवलं तां परिस्थितिं विहाय यदा परीक्षापुस्तिकाया: उत्तरपत्रस्य च सङ्केतके सङ्ख्यायां वा भिन्नता दृश्यते) द्वितीय-परीक्षापुस्तिका नोपलभ्या एव ।

4. परीक्षापुस्तिकायाम् उत्तरपत्रे च प्रदत्त-सङ्केतक-सङ्ख्या परीक्षार्थिभि: उपस्थितिपत्रके सम्यक्रीत्या अवश्यमेव लेखनीया ।

5. प्रवेशपत्रं विहाय अन्य-मुद्रित-लिखित-पाठ्यसामग्री कर्गदचिटिकां 'पेजरम्' इति चलदूरभाषां, विद्युत्-उपकरणानि अथवा कामपि अन्यसामग्रीं परीक्षाभवनं कक्षं वा नेतुम् अनुमति: न अस्ति ।

6. निरीक्षणसमये परीक्षार्थिभि: प्रवेशपत्रं निरीक्षकाय अवश्यं दर्शनीयम् ।

7. अधीक्षकस्य निरीक्षकस्य वा अनुमतिं विना परीक्षार्थिभि : स्थानं न परित्यक्तव्यम् ।

8. कार्यरतनिरीक्षकाय उत्तरपत्रं दत्त्वा उपस्थितिपत्रके च हस्ताक्षरं पुन: कृत्वा एव परीक्षार्थिभि: परीक्षाभवनं कक्षं वा परित्यक्तव्यम् न अन्यथा । यदि केनापि परीक्षार्थिना उपस्थितिपत्रिकायां पुन: हस्ताक्षरं न क्रियते तर्हि 'परीक्षार्थिना उत्तरपत्रकं न दत्तम्' इति अभिप्राय: । इदम् अनुचितसाधनानां प्रयोगस्य रूपम् इति मन्तव्यम् ।

9. वैद्युत-हस्तचालित-परिकलकस्य उपयोग: सर्वथा वर्जित: ।

10. परीक्षाभवने कक्षे वा अनुकूलाचरणाय परीक्षार्थिन: सङ्घटनस्य सर्वै: नियमै: विनियमै: वा नियमिता: । अनुचितसाधनानाम् उपयोगेन सम्बद्धा: निर्णया: सङ्घटनस्य नियम-विनियम-अनुवर्तनीया: एव ।

11. कस्यामपि परिस्थितौ परीक्षापुस्तिकाया: उत्तरपत्रकस्य वा कोऽपि भाग: पृथक् न करणीय: ।

12. **परीक्षासम्पन्नानन्तरं परीक्षार्थिन: परीक्षाभवन-परित्यजनात् पूर्वं उत्तरपत्रं कक्षनिरीक्षकाय अवश्यमेव प्रदास्यन्ति । परीक्षार्थिन: इमाम् उत्तरपुस्तिकां नेतुम् अनुमता: ।**

READ CAREFULLY THE FOLLOWING INSTRUCTIONS :

1. Out of the four alternatives for each question, only one circle for the correct answer is to be darkened completely with Blue/Black Ball Point Pen on Side-2 of the OMR Answer Sheet. The answer once marked is not liable to be changed.
2. The candidates should ensure that the Answer Sheet is not folded. Do not make any stray marks on the Answer Sheet. Do not write your Roll No. anywhere else except in the specified space in the Answer Sheet.
3. Handle the Test Booklet and Answer Sheet with care, as under no circumstances (except for discrepancy in Test Booklet Code or Number and Answer Sheet Code or Number), another set will be provided.
4. The candidates will write the correct Test Booklet Code and Number as given in the Test Booklet / Answer Sheet in the Attendance Sheet.
5. Candidates are not allowed to carry any textual material, printed or written, bits of papers, pager, mobile phone, electronic device or any other material except the Admit Card inside the examination hall/room.
6. Each candidate must show on demand his / her Admission Card to the Invigilator.
7. No candidate, without special permission of the Superintendent or Invigilator, should leave his / her seat.
8. The candidates should not leave the Examination Hall without handing over their Answer Sheet to the Invigilator on duty and sign the Attendance Sheet twice. Cases where a candidate has not signed the Attendance Sheet a second time will be deemed not to have handed over the Answer Sheet and dealt with as an unfair means case.
9. Use of Electronic / Manual Calculator is prohibited.
10. The candidates are governed by all Rules and Regulations of the Board with regard to their conduct in the Examination Hall. All cases of unfair means will be dealt with as per Rules and Regulations of the Board.
11. No part of the Test Booklet and Answer Sheet shall be detached under any circumstances.
12. **On completion of the test, the candidate must hand over the Answer Sheet to the Invigilator in the Room / Hall.** ***The candidates are allowed to take away this Test Booklet with them.***

निम्नलिखित निर्देश ध्यान से पढ़ें :

1. प्रत्येक प्रश्न के लिए दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर के लिए OMR उत्तर पत्र के पृष्ठ-2 पर केवल एक वृत्त को ही पूरी तरह नीले/काले बॉल पॉइन्ट पेन से भरें । एक बार उत्तर अंकित करने के बाद उसे बदला नहीं जा सकता है ।
2. परीक्षार्थी सुनिश्चित करें कि इस उत्तर पत्र को मोड़ा न जाए एवं उस पर कोई अन्य निशान न लगाएँ । परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक उत्तर पत्र में निर्धारित स्थान के अतिरिक्त अन्यत्र न लिखें ।
3. परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर पत्र का ध्यानपूर्वक प्रयोग करें, क्योंकि किसी भी परिस्थिति में (केवल परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर पत्र के संकेत या संख्या में भिन्नता की स्थिति को छोड़कर) दूसरी परीक्षा पुस्तिका उपलब्ध नहीं करायी जाएगी ।
4. परीक्षा पुस्तिका / उत्तर पत्र में दिए गए परीक्षा पुस्तिका संकेत व संख्या को परीक्षार्थी सही तरीके से हाज़िरी-पत्र में लिखें ।
5. परीक्षार्थी द्वारा परीक्षा हॉल/कक्ष में प्रवेश कार्ड के सिवाय किसी प्रकार की पाठ्य सामग्री, मुद्रित या हस्तलिखित, कागज़ की पर्चियाँ, पेजर, मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या किसी अन्य प्रकार की सामग्री को ले जाने या उपयोग करने की अनुमति नहीं है ।
6. पूछे जाने पर प्रत्येक परीक्षार्थी, निरीक्षक को अपना प्रवेश-कार्ड दिखाएँ ।
7. अधीक्षक या निरीक्षक की विशेष अनुमति के बिना कोई परीक्षार्थी अपना स्थान न छोड़ें ।
8. कार्यरत निरीक्षक को अपना उत्तर पत्र दिए बिना एवं हाज़िरी-पत्र पर दुबारा हस्ताक्षर किए बिना परीक्षार्थी परीक्षा हॉल नहीं छोड़ेंगे । यदि किसी परीक्षार्थी ने दूसरी बार हाज़िरी-पत्र पर हस्ताक्षर नहीं किए तो यह माना जाएगा कि उसने उत्तर पत्र नहीं लौटाया है और यह अनुचित साधन का मामला माना जाएगा ।
9. इलेक्ट्रॉनिक / हस्तचालित परिकलक का उपयोग वर्जित है ।
10. परीक्षा-हॉल में आचरण के लिए परीक्षार्थी बोर्ड के सभी नियमों एवं विनियमों द्वारा नियमित हैं । अनुचित साधनों के सभी मामलों का फैसला बोर्ड के नियमों एवं विनियमों के अनुसार होगा ।
11. किसी हालत में परीक्षा पुस्तिका और उत्तर पत्र का कोई भाग अलग न करें ।
12. **परीक्षा सम्पन्न होने पर, परीक्षार्थी कक्ष / हॉल छोड़ने से पूर्व उत्तर पत्र कक्ष-निरीक्षक को अवश्य सौंप दें ।** ***परीक्षार्थी अपने साथ इस परीक्षा पुस्तिका को ले जा सकते हैं ।***

SEAL